फलिस्तीनी शरणार्थियों हेतु भारत की सहायता

स्रोत: बिज़नेस स्टैंडर्ड

हाल ही में भारत ने वर्ष 2024-25 के लिये **5 मिलियन अमेरीकी डॉलर के** अपने **वार्षिक योगदान** के हिस्से के रूप में नियर ईस्ट (पूर्वी भूमध्य सागर के चरों ओर का पारमहाद्वीपीय क्षेत्र) में स्थित फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये **संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (United Nations Relief and Works Agency- UNRWA)** को **2.5 मिलियन अमेरीकी डॉलर** की पहली किस्त जारी की।

- UNRWA **वर्ष 1950 से** पंजीकृत फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये **प्रत्यक्ष राहत और कार्य कार्यक्रम** का संचालन कर रहा है तथा साथ ही गाज़ा में इज़रायल-हमास युद्ध के बीच भी क्रियाशील रहने हेतु प्रयासरत है।
- भारत ने फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, राहत एवं सामाजिक सेवाओं सहित UNRWA के मुख्य कार्यक्रमों व सेवाओं हेतु अभी तक **(2023-24) तक** कुल **35 मिलियन अमेरीकी डॉलर** की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (UNRWA):

- इसकी स्थापना **वर्ष 1948 में हुए अरब-इज़रायल युद्ध** के उपरांत संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा **वर्ष 1949** में की गई थी।
- इसका उद्देश्य 1948 के अरब-इज़रायल संघर्ष के कारण विस्थापित हुए **फिलिस्तीनी शरणार्थियों** और उनके परिवारों को **सहायता तथा सुरक्षा प्रदान करना** है।
- इसका संचालन गाज़ा, वेस्ट बैंक, लेबनान, सीरिया और जॉर्डन जैसे क्षेत्रों में है।
- यह लगभग पूर्ण रूप से संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के स्वैच्छिक योगदान द्वारा वित्तपोषित है।
- UNRWA को प्रदत्त भारत की वित्तीय सहायता के अतिरिक्त वह एजेंसी के विशिष्ट अनुरोध के आधार पर फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिये औषधियाँ भी उपलब्ध कराएगा।

और पढ़ें: इज़रायल-हमास संघर्ष और इसका वैश्विक प्रभाव

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indian-aid-to-palestinian-refugees